

● पढ़ो, समझो और गाओ :

द. हम चलते सीना तान के

-डॉ. हरिवंशराय बच्चन

जन्म : २७ नवंबर १९०७, इलाहाबाद (उ.प्र.) मृत्यु : १८ जनवरी २००३ रचनाएँ : मधुशाला, मधुकलश, निशा निमंत्रण, क्या भूलूँ क्या याद करूँ, दस द्वार से सोपान तक, नीड़ का निर्माण फिर आदि । परिचय : बच्चन जी हिंदी कविता में उत्तर छायावाद के प्रमुख कवि हैं । प्रस्तुत रचना के माध्यम से कवि ने समता, बंधुता, श्रम एवं देशप्रेम की भावना के महत्त्व को प्रतिपादित किया है ।

खोजबीन



भारत के सभी राज्यों की प्रमुख भाषाओं के नाम बताओ । उनसे संबंधित अधिक जानकारी पढ़ो ।

पुस्तकालय से

अंतरजाल से

धर्म अलग हों, जाति अलग हों, वर्ण अलग हों, भाषाएँ,
पर्वत, सागर तट, वन-मरुस्थल, मैदानों से हम आएँ,
फौजी वर्दी में हम सबसे पहले हिंदुस्तान के ।
भारतमाता के बेटे हम चलते सीना तान के ।

हिंदुस्तान कि जिसकी मिट्टी में हम खेले, खाए हैं,
जिसकी रजकण हमको ममता, समता से अपनाए हैं,
कर्ज चुकाने हैं हमको उन रजकण के एहसान के ।
भारतमाता के बेटे हम चलते सीना तान के ।

जिसकी पूजा में सदियों से श्रम के फूल चढ़ाए हैं,
जिसकी रक्षा में पुरखों ने अगणित शीश कटाए हैं,
हम रखवाले-पौरुषवाले उसके गौरव मान के ।
भारतमाता के बेटे हम चलते सीना तान के ।



□ उचित हाव-भाव के साथ कविता का सामूहिक, साभिनय पाठ करवाएँ । प्रश्नोत्तर एवं चर्चा के माध्यम से कविता के भाव स्पष्ट करें । किसी सैनिक/ महत्त्वपूर्ण व्यक्ति का साक्षात्कार लेने के लिए प्रोत्साहित करें । अन्य प्रयाणगीत/अभियान गीतों का संग्रह करवाएँ ।



सुनो तो जरा

किसी शहीद और उसके परिवार के बारे में सुनो : मुद्दे - जन्म तिथि, गाँव, शिक्षा, घटना ।



हम गिर जाएँ किंतु न गिरने देंगे देश निशान को,
हम मिट जाएँ किंतु न मिटने देंगे हिंदुस्तान को,
हम सबसे आगे रहते अवसर पर बलिदान के ।
भारतमाता के बेटे हम चलते सीना तान के ।

जो वीरत्व-विवेक समर में हम सैनिक दिखलाएँगे,
उसकी गाथाएँ भारत के गाँव, नगर, घर गाएँगे,
अनगिन कंठों में गूँजेंगे बोल हमारे गान के ।
भारतमाता के बेटे हम चलते सीना तान के ।



मैंने समझा

शब्द वाटिका



नए शब्द

मरुस्थल = रेगिस्तान

रजकण = धूलिकण

एहसान = उपकार

पुरखे = पूर्वज

समर = युद्ध

मुहावरा

सीना तानकर चलना = गर्व से चलना



मेरी कलम से

शालेय प्रतिज्ञा का श्रुतलेखन करो और प्रतिज्ञा के मूल्यों का अपने व्यवहारों से सत्यापन करो ।



विचार मंथन

॥ हम सब एक हैं ॥



अध्ययन कौशल

अब तक पढ़े हुए मुहावरों-कहावतों का वर्णक्रमानुसार संग्रह बनाओ और चर्चा करो।



जरा सोचो लिखो

यदि तुम सैनिक होते तो



सदैव ध्यान में रखो

मानव सेवा ही सच्ची सेवा है।



१. निम्न पंक्तियों का अर्थ लिखो :

(क) हिंदुस्तान ----- तान के।

(ख) जो वीरत्व ----- तान के।

२. देशप्रेम वाली चार पंक्तियों की कविता लिखो।

३. इस कविता का केंद्रीय भाव अपने शब्दों में स्पष्ट करो।

४. अपने देश के राष्ट्रीय प्रतीकों के नाम बताओ।



भाषा की ओर

अर्थ के आधार पर वाक्य पढ़ो, समझो और उचित स्थान पर लिखो :

१. बच्चे हँसते-हँसते खेल रहे थे।

५. वाह ! क्या बनावट है ताजमहल की !

विधानार्थक वाक्य

विस्मयार्थक वाक्य

निषेधार्थक वाक्य

२. माला घर नहीं जाएगी।

३. इसे हिमालय क्यों कहते हैं ?

इच्छार्थक वाक्य

६. कश्मीर का सौंदर्य देखकर तुम्हें आश्चर्य होगा।

७. खूब पढ़ो खूब बढ़ो।

संकेतार्थक वाक्य

प्रश्नार्थक वाक्य

आज्ञार्थक वाक्य

४. सदैव सत्य के पथ पर चलो।

संभावनाार्थक वाक्य

८. यदि बिजली आएगी तो रोशनी होगी।

पहले वाक्य में क्रिया के करने या होने की सामान्य सूचना मिलती है। अतः यह वाक्य विधानार्थक वाक्य है। दूसरे वाक्य में आने का अभाव सूचित होता है क्योंकि इसमें नहीं का प्रयोग हुआ है। अतः यह निषेधार्थक वाक्य है। तीसरे वाक्य में प्रश्न पूछने का बोध होता है। इसके लिए क्यों का प्रयोग हुआ है। अतः यह प्रश्नार्थक वाक्य है। चौथे वाक्य में आदेश दिया है। इसके लिए चलो शब्द का प्रयोग हुआ है। अतः यह आज्ञार्थक वाक्य है। पाँचवें वाक्य में विस्मय-आश्चर्य का भाव प्रकट हुआ है। इसके लिए वाह शब्द का प्रयोग हुआ है। अतः यह विस्मयार्थक वाक्य है। छठे वाक्य में संदेह या संभावना व्यक्त की गई है। इसके लिए होगा शब्द का प्रयोग हुआ है। अतः यह संभावनाार्थक वाक्य है। सातवें वाक्य में इच्छा या आशीर्वाद व्यक्त किया गया है। इसके लिए खूब पढ़ो, खूब बढ़ो का प्रयोग हुआ है। अतः यह इच्छार्थक वाक्य है। आठवें वाक्य में एक क्रिया का दूसरी क्रिया पर निर्भर होने का बोध होता है। इसके लिए यदि, तो शब्दों का प्रयोग हुआ है। अतः यह संकेतार्थक वाक्य है।